MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Annapurna Finance: Providing support to women entrepreneurs during difficult times.

Region: Balod, Chhattisgarh

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	17.02.2021	Rashtriya Hindi Mail	Balod, Chhattisgarh
2.	19.02.2021	Amanpath	Balod, Chhattisgarh
3.	18.02.2021	Amrit Sandesh	Balod, Chhattisgarh
4.	20.02.2021	Dabang Dunia	Balod, Chhattisgarh
5.	17.02.2021	Ispat Times	Balod, Chhattisgarh
6.	18.02.2021	Prakhabar Samachar	Balod, Chhattisgarh
7.	17.02.2021	Pratidin Rajdhani	Balod, Chhattisgarh
8.	17.02.2021	Samvet Shikhar	Balod, Chhattisgarh

Publication	Rashtriya Hindi Mail
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 17, 2021
Page No.	06

अन्नपूर्णा फायनान्स : मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद. छत्तीसगढ़ के बालोद ज़िले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफ़र सबके लिए प्रेरणादायी हैं.

भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी ज़िन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी ज़िम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकूल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फ़िरसे सवारनें की ठान ली.

Publication	Amanpath
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 19, 2021
Page No.	10

अन्नपूर्णा फायनान्स : मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफर सबके लिए प्रेरणादायी हैं. भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी जिन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी जिम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकूल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फिरसे सवारनें की ठान ली. अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली.

सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त योजना के बारे में पता चला. वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रुपए का अपना पहला कर्ज लिया.

उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया. धीरे धीरे उन्हें मुनाफा होता गया औअर उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया.

सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फायनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रुपए का तीसरा ऋण फेर चल रहा हैं. अब और ज्यादा मुनाफा कमाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं।

Publication	Amrit Sandesh
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 18, 2021
Page No.	09

अन्नपूर्णा फायनान्स: मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद, 17 फरवरी (असं)। छत्तीसगढ़ के बालोद ज़िले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफ़र सबके लिए प्रेरणादायी हैं.

भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी ज़िन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी ज़िम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकूल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फ़िरसे सवारनें की ठान ली. अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली. सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त योजना के बारे में पता चला. वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रूपये का अपना पहला कर्ज लिया.

Publication	Dabang Dunia
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 20, 2021
Page No.	06

महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार बनी अन्नपूर्णा फायनान्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के एक छोटे से गांव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफर सबके लिए प्रेरणादायी हैं। भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी। शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी। मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी जिन्दगी ही बिखर गई। सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलने वाले सूक्ष्म वित्त योजना के बारे में पता चला। वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रुपए का अपना पहला कर्ज लिया। उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया। धीरे धीरे उन्हें मुनाफा होता गया और उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया। सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फायनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रुपए का तीसरा ऋण फेर चल रहा हैं। अब और ज्यादा मुनाफा कमाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं।

Publication	Ispat Times
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 17, 2021
Page No.	06

अन्नपूर्णा फायनान्स : मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद। ज़िले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफ़र सबके लिए प्रेरणादायी हैं.

भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी ज़िन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी ज़िम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकुल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फ़िरसे सवारनें की ठान ली. अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली.

सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय

स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त योजना के बारे में पता चला. वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रूपये का अपना पहला कर्ज लिया.उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया. धीरे धीरे उन्हें मुनाफ़ा होता गया औअर उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया.

सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फायनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रूपये का तीसरा ऋण फ़ेर चल रहा हैं. अब और ज्यादा मुनाफ़ा कमाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं. सत्यवती के वित्तीय हालात अब काफी सुधर गए हैं और वह आज समाज में इज्जत की खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. अपने बच्चों को भी वह अच्छी शिक्षा दे पायी हैं. उनके दो बच्चों की शादी हो चुकी हैं और वह अच्छी जिंदगी जी रहे है जबकि उनका सबसे छोटा बेटा एक अच्छे स्कूल में पढ़ रहा हैं आज सत्यवती न केवल कामयाब उद्यमी का उदाहरण बनी हैं बल्कि उस गाँव के सभी महिलाओं के सामने उन्होंने एक आदर्श उदहारण भी रखा हैं. मुश्किल हालात होने के बावजूद उन्होंने उम्मीद नहीं खोयी और अपने परिवार का सहारा बनने की ठान ली. अपनी कामयाबी का श्रेय वह अन्नपूर्णा फायनान्स को देती हैं जिन्होंने सत्यवती को वित्तीय सहायता कर कारोबार को बढ़ाने का अवसर दिया. सत्यवती के ही शब्दों में अगर बताया जाए, हूमैं अन्नपूर्णा फायनान्स की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे ज़रूरत के समय में वित्तीय सहायता देकर मेरी पूरी जिन्दगीही बदल दी. अन्नपूर्णा फायनान्स के सकारात्मक दृष्टिकोन और वक्त पर ऋण मिलने की सुविधा से मैं कंपनी के प्रति पूरी तरह ईमानदार थी।

Publication	Prakhabar Samachar
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 18, 2021
Page No.	08

अन्नपूर्णा फायनेंस : मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद(प्रखर)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफर सबके लिए प्रेरणादायी हैं। भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी जिन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी जिम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकूल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फिरसे सवारनें की ठान ली. अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली। सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त

योजना के बारे में पता चला. वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रूपये का अपना पहला कर्ज लिया। उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया. धीरे धीरे उन्हें मुनाफा होता गया औअर उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया। सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फायनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रूपये का तीसरा ऋण चल रहा हैं. अब और ज्यादा मुनाफा कमाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं। सत्यवती के वित्तीय हालात अब काफी सुधर गए हैं और वह आज समाज में इज्जत की खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. अपने बच्चों को भी वह अच्छी शिक्षा दे पायी हैं. उनके दो बच्चों की शादी हो चुकी हैं और वह अच्छी जिंदगी जी रहे है जबकि उनका सबसे छोटा बेटा एक अच्छे स्कूल में पड़ रहा हैं. आज सत्यवती न केवल कामयाब उद्यमी का उदाहरण बनी हैं बल्कि उस गाँव के सभी महिलाओं के सामने उन्होंने एक आदर्श उदहारण भी रखा हैं. मुश्किल हालात होने के बावजूद उन्होंने उम्मीद नहीं खोयी और अपने परिवार का सहारा बनने की ठान ली.

अपनी कामयाबी का श्रेय वह अन्नपूर्णा फायनान्स को देती हैं जिन्होंने सत्यवती को वित्तीय सहायता कर कारोबार को बढ़ाने का अवसर दिया. सत्यवती के ही शब्दों में अगर बताया जाए, मैं अन्नपूर्णा फायनान्स की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे जरूरत के समय में वित्तीय सहायता देकर मेरी पूरी जिन्दगीही बदल दी. अन्नपूर्णा फायनान्स के सकारात्मक दृष्टिकोन और वक्त पर ऋण मिलने की सुविधा से मैं कंपनी के प्रति पूरी तरह ईमानदार थी. अगर भविष्य में मुझे फिर से कर्ज लेने की जरूरत पड़ी तो मैं फिरसे अन्नपूर्णा फायनान्स के पास ही जाऊंगी।

Publication	Pratidin Rajdhani
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 17, 2021
Page No.	03

अन्नपूर्णा फायनान्स - मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

बालोद, छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल, विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफर सबके लिए प्रेरणादायी हैं। भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी. शादी के बाद यह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी. मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी जिन्दगी ही बिखर गई. पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी जिम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकुल तैयार नहीं थी. अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्किल हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फिरसे सवारने की ठान ली. अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली। सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फायनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त योजना के बारे में पता चला. वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रूपये का अपना पहला कर्ज लिया। उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया. धीरे धीरे उन्हें मुनाफ़ा होता गया औऔर उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया। सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फायनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रूपये का तीसरा ऋण फेर चल रहा हैं. अब और ज्यादा मुनाफ़ा कामाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं.

सत्यवती के वित्तीय हालात अब काफी सुधर गए हैं और वह आज समाज में इज्जत की खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. अपने बच्चों को भी वह अच्छी शिक्षा दे पायी हैं. उनके दो बच्चों की शादी हो चुकी हैं और वह अच्छी जिंदगी जी रहे है जबकि उनका सबसे छोटा बेटा एक अच्छे स्कूल में पढ़ रहा हैं । आज सत्यवती न केवल कामयाब उद्यमी का उदाहरण बनी हैं बल्कि उस गाँव के सभी महिलाओं के सामने उन्होंने एक आदर्श उदाहरण भी रखा हैं. मुश्किल हालात होने के बावजूद उन्होंने उम्मीद नहीं खोयी और अपने परिवार का सहारा बनने की ठान ली. अपनी कामयाबी का श्रेय वह अन्नपूर्णा फायनान्स को देती हैं जिन्होंने सत्यवती को वित्तीय सहायता कर कारोबार को बढ़ाने का अवसर दिया.

सत्यवती के ही शब्दों में अगर बताया जाए, मैं अन्नपूर्णा फायनान्स की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे जरूरत के समय में वित्तीय सहायता देकर मेरी पूरी जिन्दगीही बदल दी. अन्नपूर्णा फायनान्स के सकारात्मक दृष्टिकोण और वक्त पर ऋण मिलने की सुविधा से मैं कंपनी के प्रति पूरी तरह ईमानदार थी. अगर भविष्य में मुझे फिर से कर्ज लेने की जरूरत पड़ी तो मैं फिरसे अन्नपूर्णा फायनान्स के पास ही जाऊँगी।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Balod, Chhattisgarh
Date	February 17, 2021
Page No.	06

अन्नपूर्णा फायनेंस : मुश्किल समय में महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता का आधार

समवेत शिखर संवाददाता

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद ज़िले के एक छोटे से गाँव अंबाडा में रहने वाली सत्यवती पटेल. विधवा होने के बाद तीन बच्चों की अकेली अभिभावक के कष्टमय जीवन से लेकर एक कामयाब उद्यमी तक का उनका सफ़र सबके लिए प्रेरणादायी हैं। भारत की कई ग्रामीण महिलाओं की तरह सत्यवती की शादी भी काफी छोटी उम्र में हो गयी थी।

शादी के बाद वह अपने पति, संतोष पटेल के साथ बालोद में सब्जी-तरकारी बेचा करती थी। मगर उनके पति की अचानक मौत होने के बाद उनकी पूरी ज़िन्दगी ही बिखर गई। पति के बाद घर और तीन बच्चों को संभालने की पूरी ज़िम्मेदारी उनपर आ गई जिसके लिए वह बिलकुल तैयार नहीं थी। अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाना भी उनके लिए मुश्कील हो गया था और इसीलिए उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी फ़िर से सवारनें की ठान ली। अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के दृढ़निश्चय से ही उन्हें प्रेरणा मिली। सत्यवती जब अपने परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने के रास्ते खोज रही थी, तभी उन्हें अन्नपूर्णा फाइनान्स और उनकी बिना कुछ गिरवी रखे मिलनेवाले (संपार्श्विक मुक्त ऋण) सूक्ष्मवित्त योजना के बारे में पता चला। वह तुरंत इसकी सदस्य बन गयी और उन्होंने 20,000 रूपये का अपना पहला कर्ज लिया। उन्होंने इस कर्जे का इस्तेमाल अपना सब्जी का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किया। धीरे धीरे उन्हें मुनाफ़ा होता गया औअर उन्होंने अपना पहला कर्ज चुका दिया। सत्यवती अब पिछले छह सालों से अन्नपूर्णा फाइनान्स से जुड़ी हैं और फिलहाल उनकी 40,000 रूपये का तीसरा ऋण फ़ेर चल रहा हैं। अब और ज्यादा मुनाफ़ा कमाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए वह आसपास के स्कूलों में सब्जियां बेचती हैं। सत्यवती के वित्तीय हालात अब काफी सुधर गए हैं और वह आज समाज में इज्जत की खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। अपने बच्चों को भी वह अच्छी शिक्षा दे पायी हैं। उनके दो बच्चों की शादी हो चुकी हैं और वह अच्छी जिंदगी जी रहे है।